॥ श्री द्वारकेशो जयति ॥

जगद्गुरु श्री वल्लभाचार्यजी प्रणीत शुद्धाद्वैत पुष्टिमार्गीय पीठ

मन्दिर श्री द्वारकाधीशजी महाराज

वर्तमान तिलकायत पू. पा. गोस्वामी १०८ डॉ. श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री

विश्राम घाट के पास, मथुरा - २८१००१ (उत्तरप्रदेश) मो. : +91 94588 85000
E-mail : info@rajadhirajmathura.org

अधिक ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास में होनेवाले श्री राजाधिराज श्री द्वारकाधीशजी प्रभु के विविध मनोरथ

सच्चिदानंद पुष्टि पुरुषोत्तम भगवान श्री राजाधिराज श्री द्वारकाधीशजी प्रभु के परम अनुग्रह से संवत २०८३ के अधिक ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास का पुनित अवसर आ रहा है। इस पुनित अवसर पर श्री...प्रभु के विविध मनोरथों का आयोजन निर्धारित किया गया है, तो आप सभी वैष्णवजन एवं भक्तजन सपरिवार श्री...प्रभु के दर्शनोंका एवं सेवाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को धन्य धन्य कर प्रभु श्री राजाधिराज श्री द्वारकाधीशजी की महती कृपा को प्राप्त कर जीवन धन्य बनायें एवं वर्ष पर्यन्त आनेवाले मनोरथों में तन-मन-धन से अपने जीवन को समर्पित करे। विशेष संपर्क फोन द्वारा भी संभव है।

संवत २०८३ के अधिक ज्येष्ठ सुद-१ से अधिक कृष्ण अमावस्या के श्री राजाधिराज श्री द्वारकाधीशजी प्रभु के मनोरथ की सूची

क्रम	दिनांक/वार	तिथि	समय	मनोरथ
१	१७-०५-२०२६ रविवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०१	ग्वाल	यशोदा तेरे भाग्य की कहि न जाय (पलना)
२	१८-०५-२०२६ सोमवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०२	ग्वाल	ठाकुरगोपी झुलावै झोलना (चांदी का पलना)
३	१९-०५-२०२६ मंगलवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०३	शयन	कुंज-कुंज में गणगौर आई (गुलाबी गणगौर)
४	२०-०५-२०२६ बुधवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०४	ग्वाल	बार बार पनघट पर आवत सिर जमुना जल मटकी (पनघट)
५	२१-०५-२०२६ गुरुवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०५	राजभोग	श्री कृष्ण ले लियो चीर (चीरहरण)
			शयन	चंदन पहर नाव हरि बैठे (नौका विहार)
६	२२-०५-२०२६ शुक्रवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०६-०७	राजभोग	ता मधिय झूलत छगन मगनवा निरखत नैन सिरानी (सोने का पलना)
			शयन	फूलनकी मंडली मनोहर बैठे (फूल मंडली)
७	२३-०५-२०२६ शनिवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०८	राजभोग	ईमन मान मेरो कहयो काहे की प्यारे प्यारी तुं (दानगढ़-मानगढ़)
८	२४-०५-२०२६ रविवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-०९	राजभोग	हेरि है आज नंदराय के आनंद भयो (नन्द महोत्सव)
९	२५-०५-२०२६ सोमवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-१०	राजभोग	गोविन्द लीजै छाक तिहारी (छाकलीला)
१०	२६-०५-२०२६ मंगलवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-११	राजभोग	पवित्रा पहरे को दिन आयो (पवित्रा)
			शयन	पहरे पवित्रा बैठे हिंडोरे (पवित्रा हिंडोला)
११	२७-०५-२०२६ बुधवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-११	राजभोग	गोविन्द का छिरकत शोभा बरनी न जाय (कुंज एकादशी-होली)
			शयन	माई फूल को हिंडोरो बन्यो (फूल का हिंडोला)
१२	२८-०५-२०२६ गुरुवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-१२	शयन	अरी चल दुल्हे देखन जाय (विवाह खेल)
१३	२९-०५-२०२६ शुक्रवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-१३	राजभोग	ललित लवंग लता परिशीलन कोमल मलय समीरे (बगीचा)
			शयन	यमुना तीरे जल-क्रिडा (जल विहार)
१४	३०-०५-२०२६ शनिवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-१४	राजभोग	हुत फूलफूले नंद नंदन तुमकों गूथोंगी माल (फूल मंडली)
			शयन	झूला तो डाल्या श्री वृन्दावन बाग में जी (बगीचा में झूला)
१५	३१-०५-२०२६ रविवार	अधिक ज्येष्ठ शुक्ल-१५	राजभोग	तुमतो कहावत फूल गुलाब के संग के सखा (फूल का बंगला)
			शयन	गावे मदन गोपाल रास मंडल में (शरद रास)
१६	०१-०६-२०२६ सोमवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०१	राजभोग	खेलत फाग फिरत रस फूले (कुंज में फूलफाग)
			शयन	हिंडोरें माई झूलतरंग रह्यो (पान का हिंडोला)
१७	०२-०६-२०२६ मंगलवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०२	राजभोग	आज माई रथ बैठे गिरिधारी (रथयात्रा)
			शयन	चंदन पहर नाव हरि बैठे (नौका विहार)
१८	०३-०६-२०२६ बुधवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०३	शयन	निकसत षटरितु मैं बहुरि उद्दीपन यह पाइ (षटऋतु)

संवत २०८३ के अधिक ज्येष्ठ सुद-१ से अधिक कृष्ण अमावस्या के श्री राजाधीरा श्री द्वारकाधीशजी प्रभु के मनोरथ की सूची

क्रम	दिनांक/वार	तिथि	समय	मनोरथ
१९	०४-०६-२०२६ गुरुवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०४	राजभोग	जुई करेण गुलाब माधुरी बिचबिच कमल रसाल (फूल के शृंगार)
			शयन	फल फूल के बगीचे में झूला (फूल के शृंगार)
२०	०५-०६-२०२६ शुक्रवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०५	ग्वाल	माई मीठे हरिजू के बोलना (चांदी का पलना)
			शयन	काँच जड़ित मन्दिर अति सोहे, कोटि मदन छवि देखत मोहे (कांच का बंगला)
२१	०६-०६-२०२६ शनिवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०६	ग्वाल	रतन जटित पौढ़ाय पालनें बदन देखि मुसिकाय (चांदी का पलना)
			शयन	हटरी बैठे श्री व्रजनाथ (हटरी-मोती)
२२	०७-०६-२०२६ रविवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०७	राजभोग	लालगुलाब के खंभ मनोहर छाजेनकी छबिभारी (बगीचा)
			शयन	झूलत सुरंग हिंडोरे, मुकुट धरी बैठे है नंदलाल (फूल का हिंडोला)
२३	०८-०६-२०२६ सोमवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०८	राजभोग	चले चारावन गैया (गोचारण)
			शयन	सब्जी को हिंडोला कुंज भवन में (सब्जी का हिंडोला)
२४	०९-०६-२०२६ मंगलवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-०९	ग्वाल	फूलन के महल फूलन की शय्या फूले कुंजबिहारी (फूल मंडली)
			शयन	लाल हि लाल के लाल जू लोचन (लाल घटा)
२५	१०-०६-२०२६ बुधवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-१०	राजभोग	जो मूरति ब्रह्मादिक दुर्लभ सो प्रगटे आई (चांदी का पलना)
			शयन	झूलत राधा प्यारी श्याम संग (श्याम घटा)
२६	११-०६-२०२६ गुरुवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-११	राजभोग	गढ़ते ग्वालिनि ऊतरी शीश महीको मॉट (महादान)
			शयन	चहूं ओर पांत बनी दीपनकी झलकत झाल झमाल (हटरी)
२७	१२-०६-२०२६ शुक्रवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-१२	ग्वाल	नानाविधके खिलोना लै लै खिलावत मृदु मुसिकानी (चांदी का पलना)
			शयन	एहो लाल झुलिये नेक धीरे, हिंडोरा मँह नवल किशोरी संग (गुलाबी घटा में हिडोला)
२८	१३-०६-२०२६ शनिवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-१३	राजभोग	फूलनकी मंडली मनोहर (फूल मंडली)
			शयन	घूमघूम घटा आई (लहरिया घटा)
२९	१४-०६-२०२६ रविवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-१४	राजभोग	गोविंद को छिरकत शोभा बरनी न जाय (कुंज में फूल का बंगला)
			शयन	देखो सखी री देखो दोऊ बैठे नाव में (नौका विहार)
३०	१५-०६-२०२६ सोमवार	अधिक ज्येष्ठ कृष्ण-३०	ग्वाल	प्रेंख पर्यंक शयनम् (सोने का पलना)
			शयन	ठाडे रहो अंगना हो प्रिय जोंलों नख शिख देह न भीजे (श्याम घटा)

श्री अधिक पुरुषोत्तम मास में श्रीप्रभु की तन-मन-धन से सेवा कर कृतार्थ होकर लाभ लेंवे, मनोरथ की सेवा हेतु अधिकारीश्री श्री राजाधिराज श्री द्वारकाधीश मन्दिर मथुरा का (M) +91 94588 85000 पर संपर्क करे । समाधान विभाग के लिए संपर्क नंबर (1) श्री राजीव चतुर्वेदीजी (M) +91 93581 18171 (2) श्री व्रजेश चतुर्वेदीजी (M) +91 76681 44824 (2) श्री बनवारीलाल चतुर्वेदीजी (M) +91 98372 89899

मनोरथी से निवेदन है कि यदि आप बेंक से सेवा या मनोरथ की रकम जमा करवाते है तो नीचे मुताबिक बेंक में और खाता संख्या में जमा करा सकते है । (RTGS या NEFT से भी सेवा की रकम जमा करवा सकते है और इसकी जानकारी मन्दिर समाधान में फोन द्वारा अवश्य करें ।)

Mandir Shri Dwarikadhish Ji Maharaj, Mathura,
Canara Bank A/c. No: 85212160000025 IFSC Code CNRB0018520

श्री अधिक पुरुषोत्तम मास में गौदान एवं गायों की सेवा का विशेष महत्व होता है तो आप समाधान में गौदान एवं गौसेवा अवश्य लिखवायें । **Shri Dwarkesh Gau Shala, Kankroli, Bank of Baroda, Kankroli, SB A/c. No. : 16920100002226.** मनोरथी को अपना आधारकार्ड, पेनकार्ड, मोबाईल नंबर एवं घर का पता भी लिखवाना आवश्यक है ।

विशेष टीप्पणी : तृतीय गृहाधिपति पू.पा.गोस्वामी १०८ श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री की आज्ञा अनुसार मनोरथों में परिवर्तन एवं परिवर्धन भी किया जा सकेगा ।

: निवेदक :
श्री राजाधिराज श्रीद्वारकाधीश मन्दिर, विश्राम घाट के पास, मथुरा (उत्तरप्रदेश)

गौ माता की सेवा समाधानीजी में लिखवा सकते है ।